देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 167 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...चीन ने विकास के कीर्तिमान रचे

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 3 अक्टूबर 2021

मौसम अधिकतम 27.0° न्यूनतम 24.0° | 40243.39 | 2 भारी पड़ेगा तालिबान से ताल्लुकात | 7 गेल के साथ सही व्यवहार नहीं हुआ

पानी बचाने के प्रयास जरूरी

प्रधानमंत्री मोदी ने लांच किया जल जीवन मिशन एप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद सात दशक में भी देश की बड़ी आबादी तक नल से जल पहुंचाने की 'विफलता' के लिए पूर्ववर्ती सरकारों को आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि ऐसा इसलिए नहीं हो सका क्योंकि तत्कालीन नीति निर्मातओं ने बिना पानी की जिंदगी के दर्द का एहसास नहीं था। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन पर ग्राम पंचायत और पानी समितियों या ग्रामीण जल और स्वच्छता समितियों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद कर रहे थे।

हर नागरिक से अधिक से अधिक पानी बचाने का आह्वानः पीएम ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आजादी के बाद के सात दशकों में हर घर जल पहुंचाने के लिए जो काम हुआ था, सिर्फ पिछले दो साल में उससे भी ज्यादा काम उनकी सरकार ने करके दिखाया है। इस अवसर पर उन्होंने पानी की प्रचुरता में रहने वाले देश के हर नागरिक से पानी बचाने के ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए निश्चित तौर पर लोगों को अपनी आदतें भी बदलनी ही होंगी।

टैंकरों व ट्रेनों से पहुंचाने की नौबत ना आए

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकास में पानी की कमी बाधा ना बने, इसके लिए काम करते रहना सभी का दायित्व है और यह सभी के प्रयास से ही संभव है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि देश के किसी हिस्से में टैंकरों व ट्रेनों से पहुंचाने की नौबत ना आए।''

पांच करोड़ घरों तक पहुंचाया पानी

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी से लेकर वर्ष 2019 तक देश में सिर्फ तीन करोड़ घरों तक ही नल से जल पहुंचता था और 2019 में जल जीवन मिशन शुरू होने के बाद से पांच करोड़ घरों को पानी के संपर्क से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि आज देश के लगभग 80 जिलों के करीब सवा लाख गांवों के हर घर में नल से जल पहुंच रहा है।

आखिर क्यों लोगों तक पानी नहीं पहुंचताः प्रधानमंत्री ने कहा कि बहुत सी ऐसी फिल्में, कहानियां और कविताएं हैं जिनमें विस्तार से यह बताया जाता है कि कैसे गांव की महिलाएं और बच्चे पानी लाने के लिए मीलों दूर चलकर जा रहे हैं। इन्हें देखकर कुछ लोगों के मन में गांव का नाम लेते ही यही तस्वीर उभरती है। उन्होंने कहा, ''लेकिन बहुत कम ही लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर इन लोगों को हर रोज किसी नदी या तालाब तक क्यों जाना पड़ता है?

नीति-निर्माताओं ने पानी की किल्लत नहीं देखी थीः पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उस समय के नीति-निर्माताओं ने पानी की किल्लत नहीं देखी थी और बिना पानी की जिंदगी का दर्द क्या होता है, उन्हें पता ही नहीं था, क्योंकि उनके घरों में, स्विमिंग पूल में पानी ही पानी होता था।

जल जीवन मिशन बड़ा आंदोलन

प्रधानमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन की दृष्टि सिर्फ लोगों तक पानी पहुंचाने का ही नहीं है बल्कि यह विकेंद्रीकरण का भी बहुत बड़ा आंदोलन है। उन्होंने कहा, ''यह गांवों और महिलाओं द्वारा चलाए जाना वाला आंदोलन है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जल जीवन मिशन एप और राष् ट्रीय जल जीवन कोष की भी शुरुआत की।

कृषि कानूनों के विरोध को पीएम मोदी ने बताया राजनीतिक छल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए कृषि कानूनों के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा है। कृषि कानूनों की आलोचना पर विपक्ष पर बौद्धिक बेईमानी और राजनीतिक छल का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नागरिकों को लाभ पहुंचाने के लिए कड़े और बड़े फैसले लेने की जरूरत है। यह फैसले दशकों पहले ही ले लेने चाहिए थे। ओपन मैगजीन को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि कानूनों का बचाव करते हुए कहा कि इनमें कुछ पार्टियां चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करती हैं। फिर जब वक्त आता है तो यू-टर्न ले लेती हैं। अपने किए वादों को लेकर गनगढ़ंत और झूठी बातें फैलाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

राज्यों को अब तक पहुंचाई गई 88.14 करोड़ वैक्सीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ भारत की जंग जारी है। टीकाकरण अभियान विश्व के रिकॉर्ड तोड़ रहा है और बड़ी तेजी से यहां लोगों का वैक्सीनेशन किया जा रहा है। अब खबर सामने आई है कि भारत में अब तक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को 88.14 करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन पहुंचाई गई हैं। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार पूरे देश में कोविड-19 टीकाकरण की गति को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कुछ राज्यों में गरज के साथ हो सकती है भारी बारिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के चक्रवात शाहीन के चलते देश के सात राज्यों- बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और गुजरात में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आइएमडी के अनुमान के अनुसार गहरा दबाव जो अब चक्रवात शाहीन में बदल गया है।

चीन से तनाव के बीच भारत ने एलएसी पर बढ़ाई ताकत

भारत ने लद्दाख में भारतीय सेना ने के-9 वज्र तोपों को किया तैनात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लेह (लद्दाख)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम उल्लंघन के माध्यम से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद कर रही है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारतीय सेना द्वारा इस तरह की गतिविधियों को बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने बताया कि इस साल फरवरी से जून के अंत तक पाकिस्तानी सेना द्वारा कोई संघर्ष विराम उल्लंघन नहीं किया गया था, लेकिन हाल ही में संघर्ष विराम उल्लंघन के माध्यम से घुसपैठ के प्रयासों में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि पिछले दस दिनों में दो बार संघर्ष विराम का उल्लंघन हुआ है। स्थिति फरवरी से पहले की हो गई है।

भारत ने भी अपनी तैयारियां कर दी तेज

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की चालबाजी से निपटने के लिए भारत ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी है। चीनी सेना को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूर्वी लद्दाख के फारवर्ड एरिया में भारतीय सेना ने के-9 स्वचालित होवित्जर रेजिमेंट को तैनात किया है। यह तोप लगभग 50 किमी की दूरी पर मौजूद दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने में सक्षम है। के-9 वज्र तोपों की तैनाती पर सेना प्रमुख ने कहा कि ये तोपें ऊंचाई वाले इलाकों में भी काम कर सकती हैं।

सेना प्रमुख से पूछा गया था कि क्या पाकिस्तानी सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में हालिया तेजी और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के प्रयासों का समर्थन कर रही है। भारत और पाकिस्तान ने इस साल फरवरी में एक समझौता किया था, जिसके बाद से संघर्ष विराम उल्लंघन के मामले में कमी दर्जी की गई थी, लेकिन यह प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई है।

नरवणे ने कहा कि हमने हाटलाइन संदेशों और हर हफ्ते होने वाली डीजीएमओ स्तर की वार्ता के माध्यम से अवगत कराया है कि उन्हें (पाकिस्तान) आतंकवाद से संबंधित किसी भी गतिविधि को समर्थन नहीं देना चाहिए।

वहीं, अफगानिस्तान के हालात पर उन्होंने कहा कि हम नियमित रूप से अफगानिस्तान की स्थिति और इसके संभावित प्रभावों और नतीजों की निगरानी कर रहे हैं। यह किस रूप में होगा, यह कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन हम देख रहे हैं।

आज से शुरू होगी धान की खरीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। हरियाणा और पंजाब में धान की खरीद आज से शुरू हो जाएगी है। दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से बात करने के बाद मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने इसकी घोषणा की। सीएम ने इसके लिए प्रयास शुरू कर थे। मुख्यमंत्री मनोहरलाल इस संबंध में केंद्रीय मंत्रियों से बात करने के लिए दिल्ली गए हैं। बता दें कि हरियाणा में धान की खरीद में देरी के विरोध में शनिवार को किसान सड़कों पर उतर आए। धान की खरीद कल से शुरू करने के फैसले के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल के साथ केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति व उपभोक्ता राज्यमंत्री अश्वनी चौबे ने कहा कि हरियाणा और पंजाब में धान की खरीद कल से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मानूसन में देरी के कारण केंद्र सरकार ने धान की खरीद शुरू करने को 1 अक्टूबर की बजाए 11 अक्टूबर से करने का फैसला किया था। सीएम मनोहरलाल ने कहा कि किसानों की ओर से शनिवार को कई जगह धरना-प्रदर्शन किया गया कि धान की खरीद को जल्दी कराया जाए। हमें भी लगता है कि खरीद वास्तव में शुरू होनी चाहिए। अब निर्णय हो गया है और उम्मीद है कि अब किसान धरना-प्रदर्शन समाप्त कर देंगे।

मनोहरलाल ने कहा कि हरियाणा की मंडियों में धान आ चुका है और किसानों की ओर से भी मांग थी कि धान की खरीद को जल्दी शुरू किया जाए। हमने अश्विनी कुमार चौबे से निवेदन किया कि इसे जल्दी शुरू किया जाए। ये फैसला हुआ है कि कल से धान की खरीद शुरू हो जाएगी। बता दें कि हरियाणा में पहले 25 सितंबर से धान की खरीद शुरू होनी थी। लेकिन, बारिश के कारण खरीद एक अक्टूबर से करने की घोषणा की गई।

ऐलान

■संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रदर्शन वापस लिया

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

सरकार ने एयर इंडिया पर नहीं लिया कोई फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चयन, एक निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगाः गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बयान देते हुए यह कहा है कि, सरकार ने अभी तक एयर इंडिया पर कोई निर्णय नहीं लिया है और बिडिंग प्रॉसेस जीतने वाले का चयन, एक निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार के दिन यह जानकारी उपलब्ध कराई। मंत्री ने बयान देते हुए यह कहा कि, मैं एक दिन पहले से दुबई में हूं और मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई फैसला हुआ है। निश्चित तौर पर बोलियां आमंत्रित की गई थीं,और इसका आकलन अधिकारी करते हैं। समय आने पर एक पूरी तरह से निर्धारित प्रक्रिया के तहत अंतिम विजेता का चयन किया जाएगा।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए गोयल ने कहा कि, टाटा कर्ज में डूबे एयर इंडिया के अधिग्रहण के लिए शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरा है। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव तुहिन कांता पांडे ने यह जानकारी दी है कि, केंद्र ने अब तक एयर इंडिया के लिए किसी वित्तीय बोली को मंजूरी नहीं दी है।